भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1106

गुरूवार, 13 फरवरी, 2025/24 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

1106 डा. धर्मस्थल वीरेंद्र हेग्गडे:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कर्नाटक में श्री क्षेत्र धर्मस्थल में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार कर्नाटक के मंदिरों, जैसे उडुपी, होरानाडू, कटील, कोल्लूरु, कुक्के, मेलकोटे, मैसूर, श्रीरंगपटना आदि को जोड़ने वाला एक तीर्थयात्रा सर्किट शुरू करने की योजना बना रही है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा कर्नाटक में नियोजित और विचाराधीन नए तीर्थस्थलों की सूची क्या है; और

(घ) क्या सरकार के पास कर्नाटक के मंदिरों में केंद्रीय वित्तीय सहायता का उपयोग करके पर्यटन अवसंरचना में किए गए सुधार से संबंधित डेटा मौजूदा है, और यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वीकृत और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): धार्मिक पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से कर्नाटक में धार्मिक पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन कर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को पूरा करता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी चल रही योजनाओं 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'स्वदेश दर्शन' के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को पूरा करता है। उपरोक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाएं संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा कार्यान्वित की जाती हैं।

कर्नाटक के उडुपी, होरानाडू, कटील, कोल्लूरु, कुक्के, मेलकोटे, मैसूरु, श्रीरंगपटना आदि मंदिरों को जोड़ने के लिए तीर्थयात्रा सर्किट का कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। हालाँकि, पर्यटन मंत्रालय ने कर्नाटक राज्य में अपनी विभिन्न योजनाओं के तहत विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

डॉ. धर्मस्थल वीरेंद्र हेग्गड़े द्वारा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 13.02.2025 **को** पूछे जाने वाले राज्य सभा लिखित प्रश्न संख्या 1106 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना:

परियोजना का नाम	**स्वीकृति का वर्ष**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71

प्रशाद के तहत चिह्नित परियोजनाओं की सूची:

1. श्री रेणुका यल्लम्मा मंदिर, सौदात्ती, बेलगावी जिला
2. पापनाश मंदिर, बीदर जिला

कर्नाटक में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

गंतव्य	**अनुभव का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
हम्पी	'ट्रैवलर नूक्स' की स्थापना	25.64
मैसूरू	तांगा सवारी विरासत अनुभव क्षेत्र	2.72
मैसूरू	पारिस्थितिकी अनुभव क्षेत्र	18.47

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) के तहत चिह्नित गंतव्यों की सूची:

गंतव्य	**श्रेणी**
बीदर	संस्कृति एवं विरासत
उडुपी	इको पर्यटन एवं अमृत धरोहर स्थल

कर्नाटक में पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) के तहत स्वीकृत परियोजनाएं:

परियोजना का नाम	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
बेंगलुरु में रोएरिच और देविका रानी एस्टेट टाटागुनि में इको पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र	99.17
बेलगावी में सौदात्ती यल्लमगुड्डा का विकास	100.00

****